प्रधान मंत्री का अपनी हाल की विदेश यात्रा के बारे में वक्तव्य

STATEMENT BY THE PRIME MINISTER ON HER RECENT VISIT ABROAD

प्रधान मंत्री तथा अणु शक्ति मंत्री (श्रीमती इन्दिरा गांधी) : सभा को मालूम है कि मैंने प्रधान मंत्री श्री कोसीगिन के निमंत्रण पर 12 जुलाई से 16 जुलाई तक सोवियत संघ की यात्रा की है। मुझे मास्को जाते हुए काहिरा में राष्ट्रपति नासिर और ब्रियोनी में राष्ट्रपति टीटो से भेंट करने का मौका मिला ।

संयुक्त अरब गणराज्य और युगोस्लाविया के साथ • हमारा सम्बन्ध शान्ति तथा गुटों से अलग रहने की समान नीति के कारण तथा अनेक क्षेत्रों में घनिष्ट सहयोग के कारण बहुत निकट रहा है। उन सरकारों के प्रमुखों तथा हमारी सरकार के प्रमुखों के बीच व्यक्तिगत सम्पर्क बार-बार हुए हैं और लाभदायक रहे हैं ।

मैंने राष्ट्रपति नासिर और राष्ट्रपति टीटो के साथ अन्तर्राष्ट्रीय स्थिति पर, विशेष तौर पर उस स्थिति पर जिससे गुटनिरपेक्ष देशों की नीतियों पर प्रभाव पड़ता है स्पष्ट और मित्रतापूर्ण विचार-विमर्श किया। राष्ट्रपति नासिर और राष्ट्रपति टीटो दोनों ने ही गुट-निरपेक्षता और शान्तिपूर्ण सह-अस्तित्व की नीति को जिस का राज्यों के बीच शान्ति और मैत्रीपूर्ण सम्बन्ध बनाये रखने में बहुत बड़ा हाथ है सुदढ़ करने की हमारी इच्छा का समर्थन किया। राजनैतिक और आर्थिक क्षेत्रों में गुटनिरपेक्षता और शन्तिपूर्ण सह-अस्तिात्व की नीति पर जो विभिन्न प्रकार के दबाव पड़ रहे हैं, उनके विषय में वे भी हमारे समान ही चिन्तित हैं। हमने संयुक्त अरब गणराज्य और युगोस्लाविया के साथ संतोषजनक रूप से बढ़ते हुए पारस्परिक सम्बन्धों पर चर्चा की और हम इस बात पर सहमत हुए कि उन्हें परस्पर के लाभ के लिए आर्थिक, सांस्कृतिक और वैज्ञानिक आदि विभिन्न क्षेत्रों में अधिक सुदृढ़ बनाया जाये ।

मैंने ताशकन्द घोषणा की भावना के अनुसार पाकिस्तान के साथ मैत्रीपूर्ण तथा अच्छे पड़ोसी के सम्बन्ध स्थापित करने की अपनी सच्ची इच्छा राष्ट्रपति नासिर और राष्ट्रपति टीटो को बताई। हमारे प्रति चीन के आक्रामक तथा उत्तेजनापूर्ण रवैये की तथा अपने अन्य पड़ौसी देशों जैसे अफगानिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, नैपाल, मलेयेशिया और सिंगापुर के साथ मैत्रीपूर्ण तथा सहयोगपूर्ण सम्बन्धों की भी मैंने उन्हें जानकारी दी ।

समान हित के मामलों पर भारत और संयुक्त अरबगण राज्य तथा भारत और युगोस्लाविया के बीच नियमित रूप से परामर्श करना स्वीकार किया गया। हम इस पर भी सहमत हुए कि हमारे मन्त्रियों, अधिकारियों तथा अन्य व्यक्तियों के साथ व्यक्तिगत सम्पर्क बहुत महत्वपूर्ण हैं और वह यथासम्भव बारम्बार होने चाहियें ।

सोवियत संघ की यात्रा के दौरान प्रधान मंत्री कोसीगिन तथा अन्य नेताओं के साथ मेरी बातचीत स्पष्टवादिता, मैत्री तथा पूर्ण सामंजस्य के वातावरण में हुई। हमारी बातचीत दोनों देशों के पारस्परिक हित के अनेक विषयों पर हुई।

हमने खास तौर पर समझौते के बाद के भारत-पाकिस्तान के सम्बन्धों पिर चर्चा की। मैंने अपने देश की सीमाओं के उस पार होने वाली कुछ चिन्ताजनक गतिविधियों से भी उन्हें अवगत कराया। मैंने प्रधान मंत्री श्री कोसीगिन और उनके साथियों को उन कार्यवाहियों के विषय में बतलाया जो भारत ताशकन्द समझौते को क्रियान्वित करने की दिशा में पहले ही कर चुका है । मैंने अपनी इस

[श्रीमती इन्दिरा गांधी]

इच्छा को भी उन्हें बताया कि भारत पाकिस्तान से मैत्रीपूर्ण और अच्छे पड़ोसी के सम्बन्ध स्थापित करने के लिए किसी भी स्तर पर बिना पूर्व शर्तों के ताशकन्द घोषणा की भावना के अनुसार बात करना चाहता है ताकि उस देश के साथ मैत्रीपूर्ण और अच्छे सम्बन्ध कायम हों और सभी विवादों को शान्तिपूर्ण ढंग से हल किया जा सके। प्रधान मंत्री ने हमारी स्थिति का पूर्ण समर्थन किया।

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि हमारे लिए विशेष हित के विषयों से सम्बन्धित प्रश्नों पर सोवियत संघ की मूल स्थिति में कोई अन्तर नहीं आया है। मुझे यह विश्वास दिलाया गया कि काश्मीर के मामले पर उनकी नीति यथापूर्व है। रूसी नेताओं ने यह इच्छा व्यक्त की कि वे पाकिस्तान के साथ अपने सम्बन्ध सुधारना चाहते हैं किन्तु साथ ही उन्होने यह भी आश्वासन दिया कि वे भारत की मैत्री को धक्का पहुंचा कर ऐसा नहीं करेंगे। उन्होंने मुझे यह भी विश्वास दिलाया कि रूस ने पाकिस्तान को कोई शस्त्रास्त्र नहीं दिये हैं और न ही पाकिस्तान से इस सम्बन्ध में कोई समझौता किया गया है।

अन्तर्राष्ट्रीय प्रश्नों पर हमारी चर्चा से यह पुष्ट हो गया है कि अनेक अन्तर्राष्ट्रीय प्रश्नों के सम्बन्ध में जैसे शांति तथा सुरक्षा, धमकी तथा बल प्रयोग का परित्याग, अन्तर्राष्ट्रीय विवादों का, जिनमें सीमा सम्बन्धी विवाद भी शामिल हैं, शांतिपूर्ण तरीकों द्वारा समाधान किया जाना, पराधीन देशों की स्वाधीनता तथा अन्तर्राष्ट्रीय सामंजस्य को बनाये रखने के लिए शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व को नितान्त आवश्यक मानना आदि पर हमारे विचार एक समान हैं।

हमने अन्तर्राष्ट्रीय तनाव को कम करने तथा विश्व शांति को और दृढ़ बनाने के प्रश्न पर भी चर्चा की। हम इस बात पर सहमत हुए कि यदि सभी सैनिक गठबन्धनों को एक साथ समाप्त कर दिया जाये तो बड़ा लाभ होगा।

अपने प्रस्थान से पूर्व मैंने वियतनाम समस्या के समाधान के लिए एक संभव आधार के तौर पर कुछ विचार रखे थे। मेरे विचारों का आधार यह था कि वियतनाम में कोई सैनिक हल नहीं हो सकता। शांतिपूर्ण हल केवल सम्मेलन द्वारा ही निकल सकता है। अतः यह आवश्यक है कि सह-सभापति, जेनेवा सम्मेलन जैसा कोई सम्मेलन बुलायें। जब तक उत्तरी वियतनाम पर बमबारी बन्द नहीं की जाती, सम्मेलन की आशा करना यथार्थ नहीं होगा। भारत सदैव ही इस प्रकार की बमबारी के विरुद्ध रहा है। यदि एक बार जेनेवा सम्मेलन जैसा सम्मेलन बुला लिया जाये तो हमारा विचार है कि स्थायी परिणाम प्राप्त करने में कुछ समय लगगा। इसलिये यह सुझाव दिया गया था कि इस अन्तरिम समय में अन्तर्राष्ट्रीय नियंत्रण आयोग को यदि सुदृढ़ किया जाये तो वह कुछ ऐसे स्थायी समझौतों का पालन करा सकेगा जो दोनों पक्षों को मान्य हों। इस सम्मेलन का उद्देश्य यह होगा कि वह 1954 के जेनेवा समझौते के अन्तर्गत कोई हल ढूंढ़ निकाले। वियतनाम की जनता किसी बाहरी दबाव अथवा किसी क्षेत्र से हस्तक्षेप के बिना अपने भविष्य का निर्णय करने में समर्थ होनी चाहिये।

ये विचार कोई नये नहीं हैं क्योंकि हम ऐसे विचार समय-समय पर प्रकट कर चुके हैं। मुझे वहां के मानव कष्ट तथा इस खतरे पर बड़ी चिन्ता है कि कहीं यह झगड़ा एक ऐसी बड़ी लड़ाई का रूप धारण न कर ले जिसके परिणाम न केवल एशिया परन्तु विश्व के लिए भयानक हों।

यह प्रश्न स्वाभाविक ही काहिरा तथा ब्रियोनी में हुई हमारी बातचीत में उत्पन्न हुआ। इस विषय पर हमारी सरकार तथा संयुक्त अरब गणराज्य और युगोस्लाविया की सरकार के बीच मतसाम्य था।

जहां तक हमारे सुझावों का सम्बन्ध है, हम उन पर डटे हुए हैं। हमारे सुझावों में बातचीत आरम्भ करने के लिए उचित आधार है और इस ओर हम प्रयत्नशील हैं।

रूसी नेताओं ने सदा की भांति हमारी आर्थिक समस्याओं तथा आर्थिक विकास में हमारे प्रयत्नों के प्रति सहानुभूति तथा सहमति व्यक्त की। रूस की सरकार ने हमारी चौथी पंचवर्षीय योजना के लिए कुल मिलाकर 97 करोड़ रुबल का जोकि लगभग 830 करोड़ रुपये के बराबर है, राज्य तथा वाणिज्यिक ऋण देने की घोषणा की है। यह सहायता मुख्यतः सार्वजनिक क्षेत्र में अधिक उद्योग स्थापित करने के लिए थी। मैंने इस बात पर भी जोर दिया कि भारत अपनी आवश्यकताओं तथा जनता की आकांक्षाओं के अनुसार अगले दस वर्षों में एक समाजवादी व्यवस्था तथा स्वजनित अर्थ-व्यवस्था का निर्माण करने के लिए कटिबद्ध हैं।

दोनों का विचार है कि भारत-रूस की मैत्री किसी के विरुद्ध नहीं है तथा यह मैत्री ऐसी नहीं है कि रूस तथा भारत, दोनों में से किसी को अन्य राष्ट्रों से मैत्री करने में बाधक हो।

अध्यक्ष महोदय : स्पष्टीकरण के लिए कुछ प्रश्न रखने की मैं अनुमति दूंगा किन्तु प्रत्येक दल की ओर से केवल एक प्रश्न पूछा जाये।

श्री हेम बरुआ : क्या मैं प्रश्न पूछ सकता हूं ?

अध्यक्ष महोदय : हां।

श्री हेम बरुआ : पाकिस्तान द्वारा ताशकंद करार के उल्लघंन के बारे में पता लगाने के लिए रूस द्वारा दूत भेजने के बारे में पिछली बार जो कुछ प्रधान मंत्री ने कहा था तथा उसी समय समाचारपत्रों में यह खबर निकली थी कि पाकिस्तान ने रूस से दूत स्वीकार करने से इन्कार कर दिया था। प्रधान मंत्री ने अपने पहले वक्तव्य को ठीक करने के लिए इस सभा में एक वक्तव्य भी दिया था। इस बात को ध्यान में रखते हुए रूस द्वारा पाकिस्तान को एक दूत भेजने के बारे में क्या प्रधान मंत्री ने अपनी रूस की यात्रा के बीच रूसी नेताओं से बातचीत की। यदि वह दूत भेजना चाहती थीं तो पाकिस्तान ने इस का विरोध क्यों किया तथा इसके बारे में क्या तथ्य है। यदि बातचीत की गई तो इसके बारे में रूसी नेताओं की क्या प्रतिक्रिया थी और परिणाम किया निकले ?

श्रीमती इन्दिरा गांधी : एक विशेष दूत भेजने की कोई बात नहीं हुई किन्तु जैसा कि माननीय सदस्य को अवगत है हाल ही में एक संसदीय शिष्टमंडल पाकिस्तान गया है और इसने इस मामले पर अन्य मामलों पर बातचीत की है।

श्री हेम बरुआ : संसदीय शिष्टमंडल भेजा गया था, किन्तु शिष्टमंडल को पूछताछ करने का ऐसा कोई उत्तरदायित्व नहीं दिया गया था। मैं केवल यह जानना चाहता हूं कि क्या रूस ने पाकिस्तान से ताशकंद समझौते के उल्लघंन के बारे में कुछ जानकारी प्राप्त की थी ?

श्रीमती इन्दिरा गांधी : रूस भारत तथा पाकिस्तान के साथ सम्पर्क बनाये हुए है। ताशकंद घोषणा के उल्लघंनों के बारे में तथा क्रियान्वित न करने के बारे में अपने विचार प्रस्तुत कर दिये हैं। रूसी नेता ताशकंद घोषणा को क्रियान्वित करना चाहते हैं और दोनों देशों के बीच मित्रता बढ़ाने के लिए उचित सब कार्यवाही करना चाहते हैं।

Shri Ram Sewak Yadav : Hon. Prime Minister has said in her statement that she had gone abroad to improve the economic condition of India. If so, whether the steps taken by the Indian Government to improve the economic situation were explained to them. Whether the chances for further financial credits have increased as a result of Prime Minister's visit oi Soviet Russia ?

1032(Ai) LSD—9.

Mr. Speaker : Total amount of credit promised by Soviet Russia has been announced.

An Hon. Member : After Prime Minister's visit, more aid is expected.

Shrimati Indira Gandhi : I have already said in the House that I do not go anywhere with a begging bowl.

डा० लक्ष्मीमल्ल सिंघवी : क्या प्रधान मंत्री ने रूस के साथ विशेष रूप से मूल्यह्रास के विषय पर बातचीत की, यदि हां तो उनकी प्रतिक्रिया क्या थी ? जिन तीन देशों का प्रधान मंत्री महोदय ने दौरा किया है, उनमें से किसी के साथ संयुक्त परामर्शदायी मशीनरी जो ताशकंद करार के उल्लंघनों का पता लगाये और इस पर अमल करने का विश्वास दिलाये, स्थापित करने का कोई प्रश्न उठाया गया था ।

श्रीमती इन्दिरा गांधी : अपने देश के लिये आर्थिक नीति बनाना हमारा कार्य है । मैं वहां देश के आन्तरिक मामलों पर चर्चा करने के लिये नहीं गई थी । हमने अन्तर्राष्ट्रीय मामलों और आपसी हित के मामलों पर चर्चा की । यथासंभव अधिक से अधिक सहायता करने के लिये तीनों देश इच्छुक हैं किन्तु किसी मशीनरी की स्थापना नहीं की गयी ।

Shri Yashpal Singh : May I know whether Prime Minister could get any assurance for support against China from any of the three countries or she was engaged in Vietnam discussions only?

Shrimati Indira Gandhi : China was also discussed and every country is very well aware of the dangers from China. The specific question held was not, however, raised.

श्री उ० मू० त्रिवेदी : अमरीका के समाचारपत्रों में आया है कि जोरडन तथा युगोस्लाविया और मिसर में मतभेद है और शकी नामी एक व्यक्ति इजरायल को नष्ट करने के लिये एक सेना खड़ी कर रहा है और उन्होंने इजरायल को नष्ट करने का इरादा कर लिया है । समाचारपत्रों में यह भी छपा है कि प्रधान मंत्री ने अजाने या जाने ऐसा वक्तव्य दिया है कि भारत भी इजरायल की तबाही में सहायता करेगा । इसलिये प्रश्न यह है कि क्या ऐसा कोई वक्तव्य दिया गया है ? पिछले चार महीनों में पाकिस्तान को सैनिक सहायता पहुंचाने के विषय में रूस के प्रधान मंत्री के साथ कोई बातचीत की गई थी ?

श्रीमती इन्दिरा गांधी : प्रश्न के अन्तिम भाग का उत्तर मैंने अपने वक्तव्य में दे दिया है कि उन्होंने कोई हथियार नहीं दिये और इस प्रकार का कोई करार नहीं हुआ । इजरायल के विषय पर कोई बातचीत नहीं की गयी ।

Shri J. B. Singh : You have not discussed devaluation with these countries? Was devaluation discussed at any level?

Shrimati Indira Gandhi : No Sir. संयुक्त विज्ञप्ति में साम्राज्यवादी सरकारों का उल्लेख किया गया है जिस पर भारत सरकार तथा रूस सरकार के हस्ताक्षर हैं । 'साम्राज्यवादी' शब्द का सम्बन्ध किस देश से है ?

श्रीमती इन्दिरा गांधी : यह एक सामान्य वक्तव्य है और इसका सम्बन्ध किसी विशेष देश से नहीं है । साम्राज्यवादी बहुत से देशों में मिलते हैं । वह चीन में हैं और बहुत से अन्य देशों में भी मिलते हैं ।

अध्यक्ष महोदय : श्री शचीन्द्र चौधरी ।

Shri Hukam Chand Kachhavaiya: This motion cannot be put. No-confidence motion should be discussed first. It should not be taken. (*Interruptions*)

श्रीमती रेणु चक्रवर्ती : इस सभा को अंधेरे में रखकर वित्त मंत्री ने मूल्य ह्रास किया है । मूल्यह्रास के ढंग तथा इस के बुरे प्रभाव ने न केवल भारत को नष्ट किया है बल्कि इसे अमेरिका का दास बना दिया है । इसी नीति के कारण ही अविश्वास प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है । इसे प्रस्तुत करने की अनुमति न दी जाये ।

डा० लक्ष्मीमल्ल सिंघवी : मेरा सुझाव यह है कि वित्त मंत्री को भाषण करने दिया जाये किन्तु उस प्रस्ताव पर वाद-विवाद स्थगित कर दिया जाये और इससे पूर्व अविश्वास प्रस्ताव पर बातचीत की जाये ।

अध्यक्ष महोदय : हस्तक्षेप करने के लिये और सरकार को यह प्रस्ताव उठाने के लिये कहने के लिये बार बार कहा गया है । जैसा कि मैंने स्पष्ट कर दिया है इस मामले में मेरे पास कोई शक्ति नहीं है । मैंने नियमों को देखा है । मैं सरकार को उनके समय से वंचित नहीं रख सकता ।

श्री मनोहरन : आप उन्हें परामर्श दे सकते हैं ।

अध्यक्ष महोदय : कभी तो मैं सभा के अधिकारों का अभिरक्षक होता हूं और कभी मुझे बताया जाता है कि मैं सरकार की नीति का समर्थन कर रहा हूं ।

श्री उमानाथ : विशेषाधिकारों का गलत प्रयोग नहीं होना चाहिए ।

अध्यक्ष महोदय : उस आदेश को बदलने के लिये मेरे पास कोई शक्ति नहीं है । मैं सरकार को यह सुझाव नहीं दे सकता कि पहले अविश्वास प्रस्ताव को प्रस्तुत किया जाये ।

श्री वासुदेवन नायर : सरकार ने फैसला आपके ऊपर थोपा है ।

अध्यक्ष महोदय: यह सरकार का फैसला है । मेरा फैसला नहीं है । मैं इस बात को स्पष्ट कर रहा हूं कि इस आदेश को बदलने के लिये मेरे पास कोई शक्ति नहीं है । . . . **(अन्तर्बाधा)**

श्री मनोहरन : सभा के अन्दर सब शक्तिमान हैं । सरकार शक्तिमान नहीं है ।

अध्यक्ष महोदय : कुछ नियम हैं जिन से मैं भी बाधित हूं । . . . **(अन्तर्बाधा)**

Shri Hukam Chand Kachhavaiya: We are not prepared to hear the Finance Minister.

Mr. Speaker : Let me know the members who say that we are not prepared to hear the Finance Minister.

Shri Ram Sewak Yadav: Devaluation of Rupee is an important matter. So no-confidence should be discussed first. If the Government is bent upon Finance Minister's Statement, then should be removed and some other business should be taken up. This should be followed

[Shri Ram Sewak Yadav]

by no-confidence motion. It is a simple suggestion and there should be no objection in accepting it.

Mr. Speaker: If some members are determined that they will not allow the debate to proceed, then I cannot help it.

श्री मोहम्मद इलियास : यह आप के मान और प्रतिष्ठा का प्रश्न है । शासक दल आप को अपना दास बनाना चाहता है और वे बहुमत के कारण अपनी इच्छा के अनुसार कार्य कर रहे हैं । आप की प्रतिष्ठा की रक्षा के लिये हम यह मांग कर रहे हैं कि हम कार्य-वाही को नहीं चलने देंगे । यह हमारा अधिकार है ।

अध्यक्ष महोदय : दो बार पहले भी इलियास महोदय ने कार्यवाई को न चलने देने का रुख अपनाया है । यह उचित नहीं है ।

श्री ही० ना० मुकर्जी : आप के मान को तथा संसद् की प्रतिष्ठा को बनाये रखने के लिये ऐसा किया गया है । डा० सिंघवी के सुझाव के अतिरिक्त और विरोधी दलों में एक मत होने के अतिरिक्त भी सरकार के भिन्न आचरण पर अध्यक्ष महोदय ने सरकार को नहीं फटकारा ।

अध्यक्ष महोदय : यह सुन कर मुझे आश्चर्य हुआ है । ऐसा कौनसा कारण था जिसके लिये मैं सरकार को फटकारता ? (अन्तर्बाधाएं) सरकार को फटकारने का कोई मौका ही नहीं था । सरकार ने अच्छा किया है या बुरा किया है, सभा ने इस पर निश्चय करना है ।

श्री नम्बियार : यदि अविश्वास प्रस्ताव पर पहले चर्चा करली जाये तो देश को कौन सी हानि पहुंचेगी ?

अध्यक्ष महोदय : श्री चौधरी ।

श्री शचीन्द्र चौधरी : महोदय (अन्तर्बाधाएं) ।

अध्यक्ष महोदय : मैंने काफी सबर किया है । अब मेरे बस की बात नहीं रही । जो माननीय सदस्य कार्यवाही में बाधा डालेंगे, उनका एक-एक करके मैं नाम लूंगा । इसके सिवाये दूसरा कोई उपाय नहीं ।

श्री मनोहरन (मद्रास—दक्षिण): महोदय, यदि आप वित्त मंत्री को अपना प्रस्ताव रखने और वक्तव्य देने की अनुमति दे देंगे तो मेरे दल ने सभा त्याग करने का निश्चय किया है ।

(श्री मनोहरन तथा कुछ अन्य माननीय सदस्य तब सभा को छोड़ कर चले गये ।)

(Shri Manoharan and some other Members then left the House).

अध्यक्ष महोदय : यह कानूनी अधिकार है । अब वित्त मंत्री महोदय अपना भाषण जारी करें । यदि कोई माननीय सदस्य रुकावट डालेगा तो मैं उसका नाम लूंगा ।

श्री शचीन्द्र चौधरी : महोदय, . .

कुछ माननीय सदस्य : बैठ जाइये ।

अध्यक्ष महोदय : श्री जय बहादुर सिंह ने जिन का नाम लिया जाता है, सभा की कार्यवाही में लगातार और जानबूझ कर रुकावट डाली है ।

श्री सत्य नारायण सिंह : मैं प्रस्ताव करता हूं :

"कि इस सभा के सदस्य श्री जय बहादुर सिंह, संसद् सदस्य को, जिन्हें अध्यक्ष महोदय ने नाम लेकर पुकारा है, एक महीने के लिये सभा की सेवाओं से निलम्बित किया जाये" ।

अध्यक्ष महोदय : प्रश्न यह है "कि इस सभा के सदस्य श्री जय बहादुर सिंह को जिन्हें अध्यक्ष महोदय ने नाम लेकर पुकारा है एक महीने के लिये सभा की सेवाओं से निलम्बित किया जाये।"

लोक सभा में मत-विभाजन हुआ ।

The Lok Sabha was divided.

पक्ष में 237; विपक्ष में 2

Ayes 237; Noes 2

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

The motion was adopted.

श्री जय बहादुर सिंह सभा से चले गये ।

Shri J. B. Singh then left the House.

श्री शचीन्द्र चौधरी खड़े हुए . . . .

कुछ माननीय सदस्य : बैठ जाइये ।

अध्यक्ष महोदय : श्री इलियास ने जानबूझकर और लगातार सभा की कार्यवाई में बाधा डाली है । इसलिये मैं उनका नाम लेता हू ।

श्री सत्य नारायण सिंह : मैं प्रस्ताव करता हूं "

कि इस सभा के सदस्य श्री मोहम्मद इलियास को, जिन्हें अध्यक्ष महोदय ने नाम लेकर पुकारा है । बाकी अधिवेशन के लिये सभा की सेवाओं से निलम्बित किया जाये" ।

अध्यक्ष महोदय : प्रश्न है कि :

श्री मोहम्मद इलियास, सभा सदस्य को, जिनको अध्यक्ष महोदय ने नाम लेकर पुकारा है शेष अधिवेशन के लिये सभा से निलम्बित किया जाये"।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ ।

The motion was adopted.

अध्यक्ष महोदय : अब श्री इलियास सभा से जा सकता है। अब पांच बज चुके हैं। सभा कल ग्यारह बजे तक के लिये स्थगित हुई।

इसके पश्चात् लोक सभा मंगलवार, 26 जुलाई, 1966/4 श्रावण, 1888 (शक) के ग्यारह बजे तक स्थगित हुई।

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the clock on Tuesday, the 26th July, 1965 / Sravana 4, 1888 (Saka).

GMGIPND—LSIII—1032 (Ai) LS 4-12-67—600